Atal Bihari Vajpayee Govt. College Pandatarai, Dist.-Kabirdham (C.G)

Green Audit Report

Session : 2021-22

ग्रीन ऑडिट रिपोर्ट 2021–22

(क) अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय पाण्डातराई, जिला–कबीरधाम (छ.ग.)

(ख) महाविद्यालय में लगे पेड़ पौधों के प्रकार तथा उनकी सूची

1. फलदार वृक्ष
2. औषधीय पौधे
3. फूलों के पौधे
4. सो–पत्ते
5. घास–फूस
6. अत्यधिक ऑक्सीजन उत्सर्जी पौधे

(ग) महाविद्यालय में लगे प्रत्येक पौधे की विशेषता उसकी उपयोगिता (महत्व) उसका वैज्ञानिक नाम

(घ) महाविद्यालयीन पेड़ पौधे तथा छात्र जीवन

(ड़) महाविद्यालयीन पेड़ पौधे (हरियाली) का रख–रखाव

अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय पाण्डातराई, जिला-कबीरधाम छ.ग.

ग्रीन ऑडिट रिर्पोट प्रतिवेदन सत्र 2021-22

सुप्रसिद्ध स्वयंभू शिवलिंग श्री जालेश्वर महादेव धाम ग्राम डोगरिया कला के समीप छत्तीसगढ़ के लघु काशी के नाम से जाना जाने वाल न.पं. पाण्डातराई में जनभावनाओं के अनुरूप दिनांक 28/06/2011 को शासकीय नवीन महाविद्यालय पाण्डातराई अस्तित्व में आया। जिसमें तीनों सकांय क्रमशः कला, (हिन्दी साहित्य, समाज शास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास), विज्ञान संकाय (रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र जन्तु विज्ञान) एवं वाणिज्य संकाय (अविनार्य विषय) के साथ आरंभ में इसका संचालन शास. कन्या उ.मा. विद्यालय पाण्डातराई के नये भवन से किया जाता रहा। तत्पश्चात् दिनांक 22/02/2015 को इसे भव्य नवनिर्मित भवन में स्थानांतरित किया गया। पहले महाविद्यालय पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. के अंतर्गत आता था मगर वर्तमान में हेमचंद यादव वि.वि. दुर्ग के अंतर्गत आता है।

दूर–दराज ग्रामीण इलाकों से छात्र–छात्राएं अपनी आँखों में उज्जवल भविष्य के सपने के लिए महाविद्यालय की दहलीज पर पहूँचते है तो इस महाविद्यालय के अनुभवी प्राध्यापक इनके भविष्य को संवारने तथा अपनी ज्ञान के द्वारा इनके व्यक्तित्व के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित हो उठते है। इस महाविद्यालय के यहां खुलने से हजारों विद्यार्थियों को उनकी मंजिल मिल सकेगी तथा उनके सपने साकार हो रहे है। उनके व्यक्तित्व विकास को एक दिशा मिल रहा है।

महाविद्यालय में पेड़ पौधे का महत्व तथा उपयोगिता

पेड़–पौधे पर्यावरण की संतुलन को बढाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते है। पेड़–पौधे वायुमंडल की गर्मी, कार्बनडाइऑक्साइड तथा विभिन्न प्रकार के होने वाले प्रदूषणों को अवशोषित कर वातावरण को शुद्ध बनाए रखते है। पेड़–पौधे ऑक्सीजन का उर्त्सजन करते हैं जो मानव के लिए अति आवश्यक है तथा हरियाली बादलों को आकर्षित कर वर्षा कराते है।

महाविद्यालय परिसर में लगे प्रत्येक पेड़–पौधे की अपनी अलग ही विशेषता है प्रत्येक पौधा अपना अलग महत्व तथा उपयोगिता रखता है। पीपल का वृक्ष शुद्ध तथा अधिक ऑक्सीजन के द्वारा मानव जीवन तथा स्वास्थ्य की रक्षा करता है तो वहीं तुलसी का पौधा औषधीय गुणों से युक्त होता है। गुलाब का पौधा अपनी खुशबू तथा सौन्दर्य से वातावरण को सुगंधित तथा आनंदीत करती है तो वहीं आम अपने अमृत रस से मनुष्य को तृप्त कर देता है।

महाविद्यालयीन पेड़–पौधे छात्र जीवन

इस भौतिक जगत तथा मशीनी युग में मनुष्य पर्यावरण तथा प्रकृति से दूर होता जा रहा है। मानव अपनी तुच्छ स्वार्थ के लिए वह पेड़–पौधों को काट रहा है। पेड़–पौधों की इस तरह कटाई के परिणाम स्वरूप आने वाले भयंकर संकट से वह अनजान है, इस क्षति से बचने की शिक्षा तथा पेड़–पौधों के प्रति लगाव तथा उसके महत्व के विषय में जागरूकता छात्र जीवन में ही होनी चाहिए तभी इस पर नियंत्रण लगाया जा सकता है इसलिए इसकी शुरूआत महाविद्यालय से ही होनी चाहिए।

महाविद्यालय में लगे पेड़–पौधों की हरियाली छात्रों में ऊर्जा का संचार करते है। प्रकृति के सानिध्य में ही उनके व्यक्तित्व का विकास होता है तथा वह पेड़–पौधों के महत्व तथा पर्यावरण शुद्धता के प्रति सतत् प्रयास देश के साथ पुरे विश्व समुदाय के लिये जरूरी हो गया है क्योंकि आने वाले समय में इस धरती को बचाये रखने के लिए हमें पर्यावरण के प्रति सार्थक प्रयास करना होगा। जो उच्च शिक्षण संस्थान इस संबंध में बेहतर किरदार यदा कर सकते है।

आज संपूर्ण विश्व के लिए पर्यावरण प्रदूषण एक अत्यंत गंभीर मुद्दा व प्रमुख चुनौती बन चुका है। जिसे दूर करने के लिए समाज के हरेक वर्ग को आगे आना होगा जिसमें शिक्षित वर्ग का सबसे महत्वपूर्ण भागीदारी जनजागरूकता के साथ–साथ अपने कार्यालय, संस्थान आदि में अधिकाधिक पौधारोपण व उसका संरक्षण कर रोल मॉडल बनाना होगा एवं अपशिष्ट पदार्थो का पुनः चक्रण वाटर हारवेस्टिंग, ऊर्जा संरक्षण आदि विधियों को अपनाना होगा जो पर्यावरण सुधार में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी भूमिका निभाते है।

हमारा महाविद्यालय इस विषय को प्रमुखता से दैनिक गतिविधि का हिस्सा बनाया है जिसमें प्राध्यापक, छात्र/छात्राएं व इस संस्थान के कर्मचारियों द्वारा अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया जाता है। महाविद्यालय परिसर में वनस्पतिक उद्यान विकसित करने के साथ–साथ विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किये गये है जिसमें औषधि गुण के पौधे भी शामिल है।

महाविद्यालय परिसर में रोपे गये कुछ पौधों का विवरण इस प्रकार है –

1. **तुलसी पौधा :–** वैज्ञानिक नाम ओसिमम सैंक्टम। तुलसी का पौधा अत्यधिक उपयोगी होता है। इससे सभी घरों में मेडिसीन एवं इसे घर में लगाने से घर में लक्ष्मी का वास होता है। तुलसी पौधे का उपयोग वेद शास्त्र के अनुसार बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस पौधे से विभिन्न प्रकार की बिमारी का ईलाज होता है। जैसे – सर्दी, खांसी और अन्य दवाईयों के रूप में उपयोग किया जाता है। तुलसी पौधा अत्यधिक उपयोगी है। शुद्ध वायु का भी संचार करता है।

2. **एलोवेरा :–** एलोवेरा का वैज्ञानिक नाम ऐलोवेरा है। ऐलोवेरा एक औषधि पौधा है, जो कि बहुत ही उपयोगी है, जो कि हमारें महाविद्यालय में रोपे गये है एलोवेरा से चेहरे की झुरियों एवं अन्य प्रकार की दवाईयाँ का उपयोग होता है।
3. **मोर पंखी :– Platycladus Orientalis** यह शो पिस पौधा है, जो कि महाविद्यालय प्रांगण में लगाया गया है यह पौधा अपनी सुन्दरता के लिए आदित्य है। इस सभी पौधों के कारण महाविद्यालय की स्वच्छता एवं सुन्दरता में अद्वितीय हो जाता है।
4. **मनी प्लांट :– Epipremnum Aureum** यह पौधा शुद्ध वायु का संचार करती है। इस पौधे को घरो में लगाना शुभ माना जाता है।
5. **गोल्ड मोहर :– Delonixregia** यह पौधा हमारे महाविद्यालय के परिसर में लगाया गया है। जिसका पौधा हरा–भरा और मन को मोहने वाला है। इसकी फूल गुच्छो में निकलते है और इससे भी मनुष्यों को ऑक्सीजन की मात्रा प्राप्त किया जाता है। इसमें भी मनुष्य को राहत मिलती है। इसका पेड़ बहुत बड़ा होता है तथा फूलो से सज्जित होता है।
6. **पत्थर चट्टा :– Bryophyllum Calycinum** यह पौधा उपयोगी औषधि के रूप में किया जाता है। जैसे – पथरी का ईलाज, पाचन शक्ति बढ़ाना में किया जाता है।
7. **नागफनी :– Crataegus** यह पौधा कांटो से युक्त होता है तथा यह सजावटी पौधों के रूप में रोपा जाता है।
8. **आंवला :– Embilica Oficinalis** यह पौधा बहुत ही उपयोगी है, और इससे शरीर के कई बीमारियों का भी इलाज होता है। आंवला हमारें शरी में पाचन शक्ति में सहायक होता है। आंवला का आचार, पाचक तत्व एवं इसका वनस्पति तेल भी निकाला जाता है।
9. **नीम :– Azadirachta India** यह नीम का पौधा भी औषधि के काम में लाया जाता है। नीम के पौधे से भी मनुष्य तथा अन्य जीव, जन्तु को ऑक्सीजन की मात्रा अधिक मिलती है। नीम का पेड़ बहुत ही लाभदायक हैं नीम के पौधे से खुजली एवं सुगर कम करने में सहायक होता है। नीम के पेड़ से उसकी कड़वाहट से कीटाणुओं का सफाया किया जाता है जिससे नीम पौधा अधिक उपयोग है।
10. **आंक :– Calotropous Procera** आंक विभिन्न प्रकार की बीमारियों का नष्ट करने के लिए किया जाता है। इसके प्रयोग से माइग्रेन जो कि बहुत ही कष्ट दायक होता है तथा बवासीर एवं अन्य बीमारियों के काम में लाया जाता है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन :– हमारे महाविद्यालय में अपशिष्ट प्रबंधन हेतु जैव–कम्पोस्ट कीट लगाया गया है जिसमें महाविद्यालय व इसके परिसर से एकत्र अपशिष्ट पदार्थो की प्रकृति अनुसार जैव–कम्पोस्ट कीट में डालकर जैविक खाद का निर्माण किया जाता है तथा यह जैविक खाद का उपयोग महाविद्यालय परिसर में लगे पौधों हेतु उपयोग में लाया जाता है।

प्लास्टिक के विरूद्ध अभियान :– अटल बिहारी वाजपेयी शास. महा. पाण्डातराई के छात्र/छात्राओं को प्राध्यापकों द्वारा प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से परिचित कराया गया तथा प्लास्टिक के विरूद्ध लोगो में जागरूकता के उद्देश्य से एवं पर्यावरण को प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए नगर में रैली निकाल कर भ्रमण कराया गया।

जल संरक्षण :– अटल बिहारी वाजपेयी शास. महा. पाण्डातराई के परिसर में छोटे–छोटे गड्ढे बनाकर वर्षा जल को भूमिगत कर एवं अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाकर भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। क्योंकि पेड़–पौधें जल को संरक्षित करने में सहायक होते हैं।

पौधों का महत्व :– प्रकृति की साकारात्मक ऊर्जा को प्राप्त करने के लिए तथा जीवन को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए हर साल धरती पर पेड़–पौधे लगाए जाते है। पेड़ पृथ्वी की पारिस्थितिक प्रणाली को संतुलित करने और बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हरे पेड़ और पौधे ऑक्सीजन के साथ वातावरण को भरते है, हवा को शुद्ध करते हैं, मिटटी के कटाव को रोकते हैं, वन्य जीवन का समर्थन करते हैं और जलवायु नियंत्रण में सहायता करते हैं। धरती पर जीवन प्रदान करने वाली ऑक्सीजन और पानी प्रदान करने वाला मुख्य साधन पेड़ ही है। मात्र वायु प्रदूषण ही नहीं ये, हानिकारक रसायनों का छानकर जल को भी साफ करते हैं। हर उद्योग में पेड़ के उत्पाद का मुख्य योगदान रहता है। हमारे दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुओं में पेड़ों का बहुत महत्व है।

महाविद्यालय में लगे पेड़ पौधों को देखभाल :– महाविद्यालय में लगे पेड़ पौधों का समय–समय पद खाद्य तथा कीटनाशक दवाईयों का छीड़काव व देखभाल किया जाता है जिसके कि पौधों में बीमारियों का प्रभाव देखने को नहीं मिलता है और पौधे स्वच्छ एवं हरा–भरा दिखते है, इसके लिए हम सब प्रयासरत है।

अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय पाण्डातराई, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

ग्रीन ऑडिट रिर्पोट सत्र 2021-22

क्रं.	पेड़/पौधों का नाम	वैज्ञानिक नाम
1	चांदनी	Tabernaemontana Divaricata
2	हरकारा	Allamanda Catharica
3	एक्जोरा	Ixora Coccinea
4	तुलसी	Ocimum Sanctums
5	सदाबहार	Vinca Rosea
6	लिली	Genus Lilium
7	गुलमोहर	Delonix Regia
8	मोर पंखी	Platycladus Orientalis
9	नागफनी	Crataegus
10	पत्थर चट्टा	Bryophyllum Calycinum
11	ऐलोवेरा	Alove Barbadensis
12	भृंगराज	Eclipta Prostrata
13	चीरचीटा	Achyranthes Aspera
14	बबूल	Vachellia Nilotica
15	चम्पा	Pulmeria Rubra
16	नाग चम्पा	Plumerai Pudica
17	गेंदा	Tagetes Erecta
18	बेल	Aegle Marmelos
19	बेशरम	Ipomoea Leplophylla
20	बरगद	Ficus Benghalensis
21	बेर	Zizyphus nummularia
22	कदम	Neolamarckia Cadamba
23	रतनजोत	Alkanna Tinctoria
24	गुलाब	Rosa
25	नीम	Azadirachta Indica
26	पलास	Butea Monosprema
27	अशोक	Saraca Asoca
28	कनेर	Cascabela Thevetia
29	छुई मुई	Mimosa Pudica
30	दुब घास	Cynodon Dactilon

31	चरौटा	Cassia Tora
32	लुनिया	Portulaca Oleracea
33	जंगली मूली	Blumea Lacera
34	चौलाई	Amaranthus
35	धतुरा	Datura Stramonium
36	आंवला	Embilaca Oficinalis
37	सूरज मुखी	Heliathus Annus
38	अरण्ड	Ricinus Communis
39	कागज फूल	Bougainvillea Glabra
40	जंगली पेटुनीस	Ruellia Simplex
41	सेन्चुरी प्लान्ट	Agave Angustifolia
42	अमरूद	Psidium Guajava
43	गाजर घास	Parthenium Hysterophorus
44	पल्म अरेलिया	Polyscias Scutellaria
45	ऑक्जेलिस	Oxalis Comiculata
46	खम्हार	Gmelina Arborea
47	अनार	Punica Granatum
48	सेवंती	Chrysamthemum
49	जरबेरा	Gerbera
50	सहतूत	Morus Alba
51	आम	Mangiter Indica
52	शमी	Prosopis Cineraria
53	स्नेक प्लांट	Dracaena Tritasciata
54	कांटो का ताज	Euphorbia Mili
55	बोर्ट लिली	Tradescantia Spathacea
56	मिंग अलेरिया	Polyscias Fruticosa
57	कैना	Canna Indica
58	पाम	Arecapalm
59	जड़ मोंगरा	Arabian Jasmine
60	फाईकस	Ficus Elastica
61	कोडियाम	Crotons
62	अम्ब्रेला प्लांट	Schefflera
63	लक्की प्लांट	Alocasia Cucullata
64	मोंगरा	Jasmine
65	मनी प्लांट	Epipremnum Aureum
66	चमेली	Jasminum
67	गुड़हल	Hibicus Rosa Sinensis
68	गंधराज	Gardenia Jasminoides
69	रातरानी	Cestrum Nocturnum

70	फस्ट लव	Xamthostemon Chrysanthus
71	सीताफल	Annona Squa mosa
72	शीशम	Dalbergia Sisso
73	अल्टरनेन्थेरा	Alternanthera Sessilis Red
74	बेम्बू	Bembusa Vulgaris
75	महुआ	Madhuca Longitdia
76	बेबी रबर प्लान्ट	Pepromia Obtusifolia
77	टी–ट्री	Melaleuca Alternifolia
78	सिल्वर एवरग्रीन	Aglaonema
79	जॉडिया	Euodia
80	ऑक्जेलिस	Oxalis Corniculata
81	टी.आई. प्लान्ट	Cordyline Terminalis
82	क्लॉक वाईन	Thunbergia Grandiflora
83	ऐनागेलिस	Anagallis Foemina
84	कॉक कॉम्ब	Celosia Cristata
85	सिल्वर रॉगवर्ट	Jacobacea martitima
86	अम्ब्रेला ट्री	Schefflera Actinophylla
87	जेट्रोफा ऑक्सीनिया	Jatropha Indegerrima

Smt. Kamini Verma
Guest Lecturer (Botany)

Principal
ABVGCP, Dist. Kabirdham (C.G.)

Principal
Atal Bihari Vajpayee
Govt. College, Pandatarai
Distt. Kabirdham (C.G.)

Allamanda Catharica

Platycladus Orientalis

Arabian Jasmine

Ixora Coccinea

Parthenium Hysterophorus

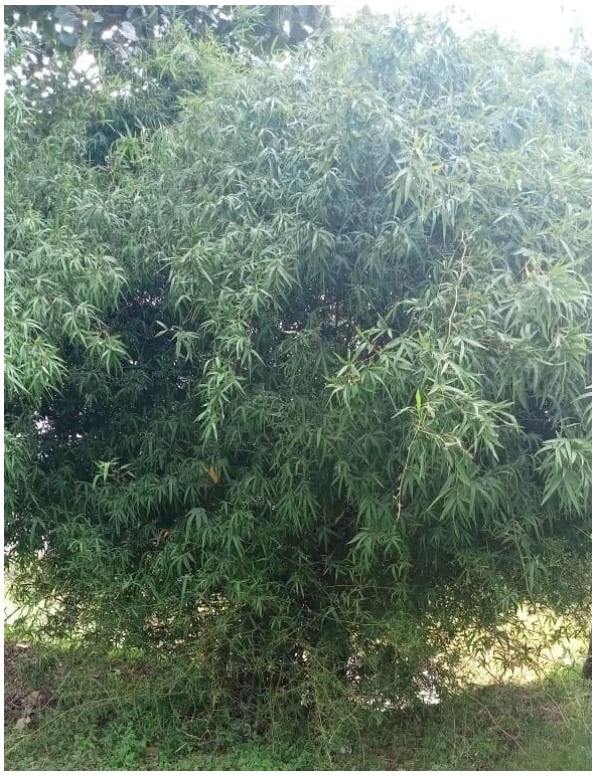

Bembusa Vulgaris

Tabernaemontana Divaricata

Hibicus Rosa Sinensis

Agave Angustifolia

Ficus Benghalensis

Zizyphus Nummularia

Cascabela Thevetia

Bougainvillea Glabra

Embilaca Oficinalis

Embilaca Oficinalis

Vachelia Nilotica

Saraca Asoca

Gardenia Jasminoides

Pulmeria Rubra

Plumerai Pudica

Hibicus Roas Sinensis

Alocasia Cucullata

Plumerai Pudica

Genus Lilium

Gardenia Jasminoides

Tradescantia Spathacea

Ocimum Sanctums

Crataegus

Polyscias Scutellaria

Morus Alba

Murraya Paniculata

Azadirachta Indica

Alocasia Cucullata

Polyscias Scutellaria

Alternanthera Sessilis Red

Cynodon Dactilon

Punica Granatum

Crotons

Saribus Rotundifolius

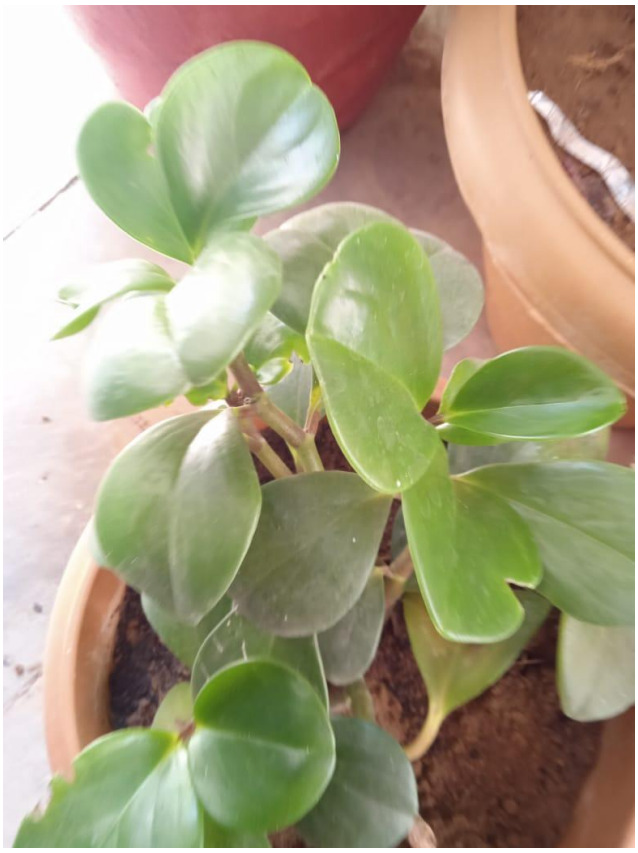

Pepromia Obtusifolia

Aglaonema

Melaleuca Alternifolia

Jatropha Indegerrima

Jacobacea Martitima

Codiam Varigatum

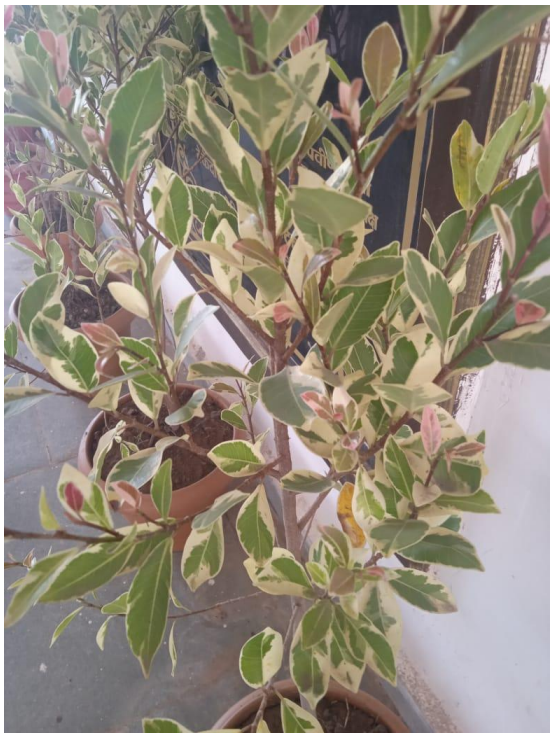

Ficus

Melaleuca Alternifolia

Euodia

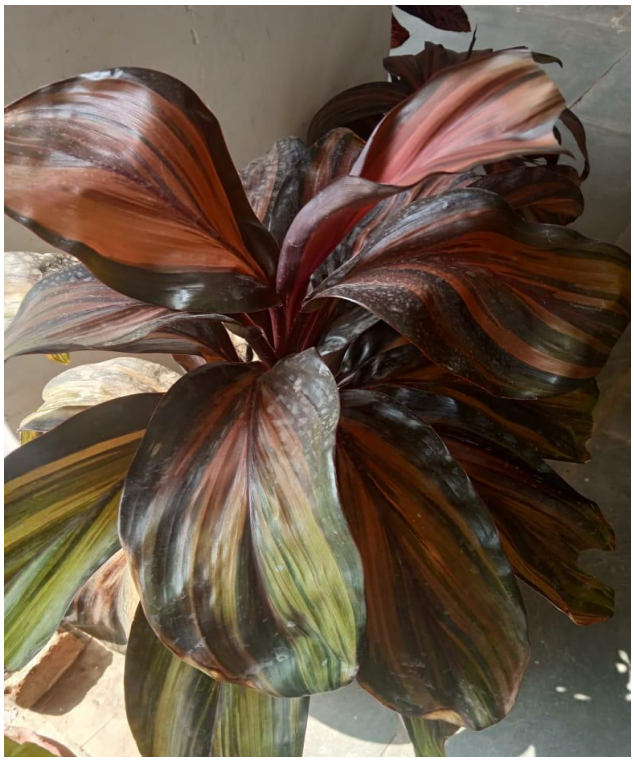

Cordyline Terminalis

Schefflera Actinophylla

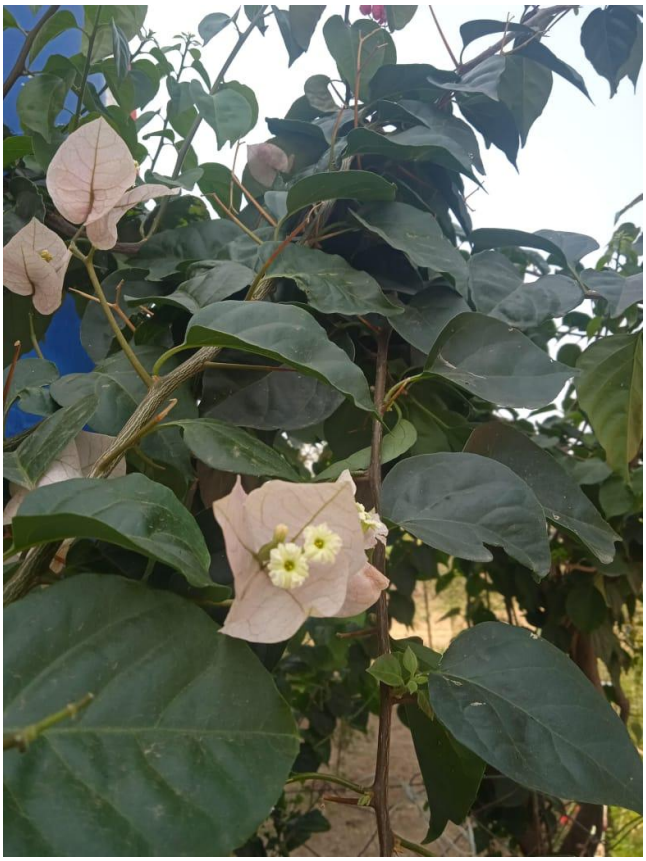

Bougainvillea Glabra

Oxalis Corniculata

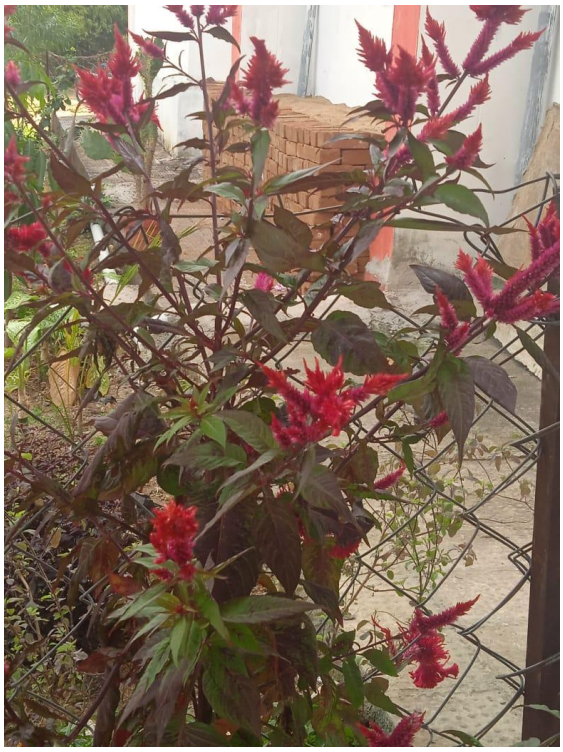

Celosia Cristata

Anagallis Foemina

Radish